# हिंदी

# सुलभभारती

## आठवीं कक्षा

# भारत का संविधान

**भाग 4 क**

## मूल कर्तव्य

**अनुच्छेद 51 क**

**मूल कर्तव्य– भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –**

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखें;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

# हिंदी अध्ययन निष्पत्ति : आठवीं कक्षा

**यह अपेक्षा है कि आठवीं कक्षा के अंत तक विद्यार्थियों में भाषा विषयक निम्नलिखित अध्ययन निष्पत्ति विकसित हों ।**

**विद्यार्थी –**

08.15.01 विविध विषयों पर आधारित पाठ्यसामग्री और अन्य साहित्य पढ़कर चर्चा करते हुए द्रुत वाचन करते हैं तथा आशय को समझते हुए स्वच्छ, शुद्ध एवं मानक लेखन तथा केंद्रीय भाव को लिखते हैं ।

08.15.02 हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री को पढ़कर तथा विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं, सर्वेक्षण, टिप्पणी आदि को प्रस्तुत कर उपलब्ध जानकारी का योग्य संकलन, संपादन करते हुए लेखन करते हैं ।

08.15.03 पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हुए गुट चर्चा में सहभागी होकर उसमें आए विशेष उद्धरणों, वाक्यों का अपने बोलचाल तथा संभाषण में प्रयोग कर परिचर्चा, भाषण आदि में अपने विचारों को मौखिक/लिखित ढंग से व्यक्त करते हैं ।

08.15.04 विविध संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे- जाति, धर्म, रंग, लिंग, रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न पूछते हैं तथा संबंधित विषयों पर उचित शब्दों का प्रयोग करते हुए धाराप्रवाह संवाद स्थापित करते हैं एवं लेखन करते हैं ।

08.15.05 किसी सुनी हुई कहानी, विचार, तर्क, प्रसंग आदि के भावी प्रसंगों का अर्थ समझते हुए आगामी घटना का अनुमान करते हैं, विशेष बिंदुओं को खोजकर उनका संकलन करते हैं ।

08.15.06 पढ़ी हुई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं तथा किसी परिचित/अपरिचित के साक्षात्कार हेतु प्रश्न निर्मित करते हैं तथा किसी अनुच्छेद का अनुवाद एवं लिप्यंतरण करते हैं ।

08.15.07 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त उपयोगी/आलंकारिक शब्द, महान विभूतियों के कथन, मुहावरों/लोकोक्तियों-कहावतों, परिभाषाओं, सूत्रों आदि को समझते हुए सूची बनाते हैं तथा विविध तकनीकों का प्रयोग करके अपने लेखन को अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास करते हैं ।

08.15.08 किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर आलेख, अन्य संदर्भ साहित्य का द्विभाषिक शब्द संग्रह, ग्राफिक्स, वर्डआर्ट, पिक्टोग्राफ आदि की सहायता से शब्दकोश तैयार करते हैं और प्रसार माध्यमों में प्रकाशित जानकारी की आलंकारिक शब्दावली का प्रभावपूर्ण तथा सहज वाचन करते हैं ।

08.15.09 अपने पाठक, लिखने एवं लेखन के उद्देश्य को समझकर अपना मत प्रभावी तरीके से लिखते हैं ।

08.15.10 सुने हुए कार्यक्रम के तथ्यों, मुख्य बिंदुओं, विवरणों एवं पठनीय सामग्री में वर्णित आशय के वाक्यों एवं मुद्दों का तार्किक एवं सुसंगति से पुन:स्मरण कर वाचन करते हैं तथा उनपर अपने मन में बनने वाली छबियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेललिपि में अभिव्यक्ति करते हैं ।

08.15.11 भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का यथावत वर्णन, उचित विराम, बलाघात, तान-अनुतान के साथ शुद्ध उच्चारण, आरोह-अवरोह, लय-ताल को एकाग्रता से सुनते एवं सुनाते हैं तथा पठन सामग्री में अंतर्निहित आशय, केंद्रीय भाव अपने शब्दों में व्यक्त करते हैं ।

08.15.12 विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों, सुने हुए संवाद, वक्तव्य, भाषण के प्रमुख मुद्दों को पुन: प्रस्तुत करते हैं तथा उनका उचित प्रारूप में वृत्तांत लेखन करते हैं ।

08.15.13 रूपरेखा तथा शब्द संकेतों के आधार पर आलंकारिक लेखन तथा पोस्टर, विज्ञापन में विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं ।

08.15.14 दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं तथा प्रसार माध्यम से राष्ट्रीय प्रसंग/घटना संबंधी वर्णन सुनते और सुनाते हैं तथा भाषा की भिन्नता का समादर करते हैं ।

शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास-२११६/(प्र.क्र.४३/१६) एसडी-४ दिनांक २५.४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया ।
दि. २९.१२.२०१७ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई ।

# हिंदी

# सुलभभारती

## आठवीं कक्षा

मेरा नाम _____ है ।

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

INLVGR

आपके स्मार्टफोन में 'DIKSHA App' द्वारा, पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर Q.R.Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्यपुस्तक एवं प्रत्येक पाठ में अंतर्निहित Q.R.Code में अध्ययन-अध्यापन के लिए पाठ से संबंधित उपयुक्त दृक-श्राव्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी ।

**प्रथमावृत्ति : २०१८**
**तीसरा पुनर्मुद्रण : २०२१**

© **महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे – ४११००४**

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

**हिंदी भाषा समिति**

डॉ.हेमचंद्र वैद्य – अध्यक्ष
डॉ.छाया पाटील – सदस्य
प्रा.मैनोद्दीन मुल्ला – सदस्य
डॉ.दयानंद तिवारी – सदस्य
श्री रामहित यादव – सदस्य
श्री संतोष धोत्रे – सदस्य
डॉ.सुनिल कुलकर्णी – सदस्य
श्रीमती सीमा कांबळे – सदस्य
डॉ.अलका पोतदार – सदस्य – सचिव

**हिंदी भाषा अभ्यासगट**

श्री संजय भारद्वाज
सौ. रंजना पिंगळे
सौ. वृंदा कुलकर्णी
डॉ. प्रमोद शुक्ल
श्रीमती पूर्णिमा पांडेय
डॉ. शुभदा मोघे
श्री धन्यकुमार बिराजदार
श्रीमती माया कोथळीकर
श्रीमती शारदा बियानी
डॉ. रत्ना चौधरी
श्री सुमंत दळवी
श्रीमती रजनी म्हैसाळकर
डॉ. वर्षा पुनवटकर
डॉ. आशा वी. मिश्रा
श्रीमती मीना एस. अग्रवाल
श्रीमती भारती श्रीवास्तव
डॉ. शैला ललवाणी
डॉ. शोभा बेलखोडे
डॉ. बंडोपंत पाटील
श्री रामदास काटे
श्री सुधाकर गावंडे
श्रीमती गीता जोशी
श्रीमती अर्चना भुस्कुटे
डॉ. रीता सिंह
सौ. शशिकला सरगर
श्री एन. आर. जेवे
श्रीमती निशा बाहेकर

**प्रकाशक :**
**श्री विवेक उत्तम गोसावी**
नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ
प्रभादेवी, मुंबई-२५

**निमंत्रित सदस्य**
श्री ता.का सूर्यवंशी
सौ. संगीता सावंत

**संयोजन :**
डॉ.अलका पोतदार, विशेषाधिकारी हिंदी भाषा, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
सौ. संध्या विनय उपासनी, विषय सहायक हिंदी भाषा, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

**मुखपृष्ठ :** सौ. पूनम निखिल पोटे
**चित्रांकन :** श्री राजेश लवळेकर, मयूरा डफळ

**निर्मिति :**
श्री सच्चितानंद आफळे, मुख्य निर्मिति अधिकारी
श्री संदीप आजगांवकर, निर्मिति अधिकारी

**अक्षरांकन :** भाषा विभाग,पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
**कागज :** ७० जीएसएम, क्रीमवोव
**मुद्रणादेश :** N/PB/2021-22/Qty.
**मुद्रक :** M/s

# भारत का संविधान

## उद्देशिका

**हम, भारत के लोग,** भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

## राष्ट्रगीत

जनगणमन – अधिनायक जय हे
भारत – भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत – भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

## प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

# प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थियो,

तुम सब पाँचवीं से सातवीं कक्षा की हिंदी सुलभभारती पाठ्यपुस्तक से अच्छी तरह परिचित हो और अब आठवीं हिंदी सुलभभारती पढ़ने के लिए उत्सुक होंगे । रंग–बिरंगी, अतिआकर्षक यह पुस्तक तुम्हारे हाथों में सौंपते हुए हमें अतीव हर्ष हो रहा है ।

हमें ज्ञात है कि तुम्हें कविता, गीत, गजल सुनना–पढ़ना प्रिय लगता है । कहानियों की दुनिया में विचरण करना मनोरंजक लगता है । तुम्हारी इन भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए इस पाठ्यपुस्तक में कविता, गीत, गजल, पद, दोहे, नई कविता, वैविध्यपूर्ण कहानियाँ, लघुकथा, निबंध, हास्य–व्यंग्य, संस्मरण, साक्षात्कार, भाषण, संवाद, पत्र आदि साहित्यिक विधाओं का समावेश किया गया है । ये विधाएँ मनोरंजक होने के साथ–साथ ज्ञानार्जन, भाषाई कौशलों / क्षमताओं के विकास, राष्ट्रीय भावना को सुदृढ़ करने एवं चरित्र निर्माण में भी सहायक होंगी । इन रचनाओं के चयन के समय आयु, रुचि, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक स्तर का सजगता से ध्यान रखा गया है ।

अंतरजाल एवं डिजिटल दुनिया के प्रभाव, नई शैक्षिक सोच, वैज्ञानिक दृष्टि को समक्ष रखकर 'श्रवणीय', 'संभाषणीय' 'पठनीय', 'लेखनीय', 'मैंने समझा', 'कृति पूर्ण करो', 'भाषा बिंदु' आदि के माध्यम से पाठ्यक्रम को पाठ्यपुस्तक में प्रस्तुत किया गया है । तुम्हारी कल्पनाशक्ति, सृजनशीलता को ध्यान में रखते हुए 'स्वयं अध्ययन', 'उपयोजित लेखन', 'मौलिक सृजन', 'कल्पना पल्लवन' आदि कृतियों को अधिक व्यापक एवं रोचक बनाया गया है । इनका सतत अभ्यास एवं उपयोग अपेक्षित है । मार्गदर्शक का सहयोग लक्ष्य तक पहुँचाने के मार्ग को सहज और सुगम बना देता है । अतः अध्ययन अनुभव की पूर्ति हेतु अभिभावकों, शिक्षकों का सहयोग और मार्गदर्शन तुम्हारे लिए निश्चित ही सहायक सिद्ध होंगे । आपकी हिंदी भाषा और ज्ञान में अभिवृद्धि के लिए 'ऐप' एवं 'क्यू.आर.कोड,' के माध्यम से अतिरिक्त दृक–श्राव्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी । अध्ययन अनुभव हेतु इनका निश्चित ही उपयोग हो सकेगा ।

आशा एवं पूर्ण विश्वास है कि तुम सब पाठ्यपुस्तक का समुचित उपयोग करते हुए हिंदी विषय के प्रति विशेष अभिरुचि दिखाते हुए आत्मीयता के साथ इसका स्वागत करोगे ।

(डॉ. सुनिल मगर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ पुणे–०४

पुणे
**दिनांक** : १८ अप्रैल २०१८, अक्षयतृतीया
भारतीय सौर : २८ चैत्र १९४०

# * अनुक्रमणिका *

## पहली इकाई


| क्र. | पाठ का नाम | विधा | रचनाकार | पृष्ठ |
|---|---|---|---|---|
| १. | हे मातृभूमि ! | कविता | रामप्रसाद 'बिस्मिल' | १–२ |
| २. | वारिस कौन ? | संवादात्मक कहानी | विभा रानी | ३–५ |
| ३. | नाखून क्यों बढ़ते हैं ? | वैचारिक निबंध | आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी | ६–८ |
| ४. | गाँव–शहर | नवगीत | प्रदीप शुक्ल | ९–१० |
| ५. | मधुबन | साक्षात्कार | अनुराग वर्मा | ११–१३ |
| ६. | जरा प्यार से बोलना सीख लीजे | गजल | रमेश दत्त शर्मा | १४–१५ |
| ७. | मेरे रजा साहब | संस्मरण | सुजाता बजाज | १६–१८ |
| ८. | पूर्ण विश्राम | हास्य–व्यंग्य कहानी | सत्यकाम विद्यालंकार | १९–२२ |
| ९. | अनमोल वाणी | दोहे<br>पद | संत कबीर<br>भक्त सूरदास | २३–२४ |


## दूसरी इकाई


| क्र. | पाठ का नाम | विधा | रचनाकार | पृष्ठ |
|---|---|---|---|---|
| १. | धरती का आँगन महके | नई कविता | डॉ. प्रकाश दीक्षित | २५–२६ |
| २. | दो लघुकथाएँ | लघुकथा | हरि जोशी | २७–२९ |
| ३. | लकड़हारा और वन | एकांकी | अरविंद भटनागर | ३०–३३ |
| ४. | सौहार्द–सौमनस्य | नये दोहे | जहीर कुरैशी | ३४–३५ |
| ५. | खेती से आई तब्दीलियाँ | पत्र | पं. जवाहरलाल नेहरू | ३६–३८ |
| ६. | अंधायुग | गीतिनाट्य का अंश | डॉ. धर्मवीर भारती | ३९–४१ |
| ७. | स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है | भाषण | लोकमान्य बाळ गंगाधर टिळक | ४२–४४ |
| ८. | मेरा विद्रोह | मनोवैज्ञानिक कहानी | सूर्यबाला | ४५–४९ |
| ९. | नहीं कुछ इससे बढ़कर | गीत | सुमित्रानंदन पंत | ५०–५१ |
| | **व्याकरण, रचना विभाग एवं भावार्थ** | | | ५२–५४ |